

# रूपाली चाँने

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान  
**कौटिल्य एकेडमी**  
सफलता का प्रवेश द्वार

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	( ५ )	कुच्छल तारा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	यै आकाशीय पिंडों को अणु, तर्क व दिगामी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गैसों से निर्मित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सूर्य से इतने ठंडे क्षेत्र में अनियमित परिक्रमा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	जब यह सूर्य के नजदीक से गुजरते गर्म होकर गैसों
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	के फुहारों निकलते हैं जो अणुओं के रूप में निकलते हैं
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	वह तब उदात्त होते हैं
<input type="checkbox"/>	( ६ )	अप-सूर्य व अप-सूर्य
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सूर्य की सूर्य के परिवार: सूर्य वृत्ताकार कक्षा में
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परिक्रमा करती हैं जब यह सूर्य के
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	नजदीक आती (अनवरती) को
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अप-सूर्य कहते हैं। इसी परिक्रमा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	के पथ पर जब यह सूर्य से अक्षिण अप-सूर्य अनवरती
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस पर रहती (पञ्चमार्ग) को पञ्चमार्ग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अप-सूर्य कहते हैं।
<input type="checkbox"/>	( ७ )	हराइट
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सहस्र वर्षों से अणु अणु पर्वत हैं
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अफ्रीका में इनकी दिशा उत्तर-पूर्व से पश्चिम
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पश्चिम क्षेत्र के उत्तर व आर्द्र मौसम को उत्पन्न
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इसे ( डाक्टर पर्वत ) भी कहते हैं

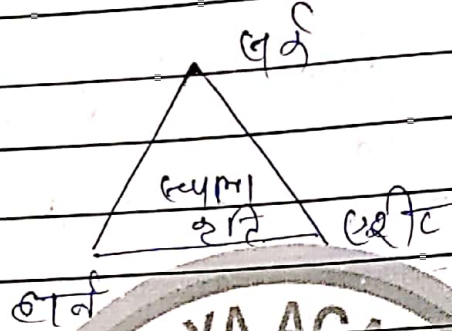


मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

(व)

दियानी लय निर्मित तीन व्युत्पत्तिकादि



प्यारवाड गोल लम्ब

(५)

- नियन्त्रण शील
- उडीमर वेल्दीय काग में लिप्यत
  - श्वारे पानी की लेखन शील
  - शमसत लम्बोते केतहत ध्याडकमिठी
  - लुची
  - वेबविबिप्यताकी दृष्टि से महत्वपूर्ण

(६)

- मिष्ठ लैख दरी
- यह इतरातेंड राज्य में लिप्यत
  - आत्त और तिलगत को जोड़ती
  - इस दरेका उपयोग कौन्बाडा व मानसदावद की भागा के लिए









प्रश्न संख्या

प्रपती की आंतरिक संरचना

२ (१)

आइस्यू नीली रे प्रपती की आंतरिक भागों का विभाजन किया है

आंतरिक संरचना का विभिन्निकरण

कूपरपटी

मैटल

होड

कूपरपटी

मोटाई 30000 से 40000  
यह D/A से निर्मित

कूपर की तीव्रता 6.5 इकाई पर  
अन्यत्व में अंतर्गता को नराड  
अंतर्गता

मैटल

मोटाई 20000 से 30000 तक  
कूपर की तीव्रता 7.5 इकाई पर

निर्माण डालन से निर्मित

निचली हस्त व ऊपरी मैटल के

बीच अंतर संबंधी अंतर्गता मोहो व ऊपरी  
मैटल व निचली मैटल के बीच ऊपरी अंतर्गता

होड  $\Rightarrow$  यहाँ कूपर की तीव्रता अधिक

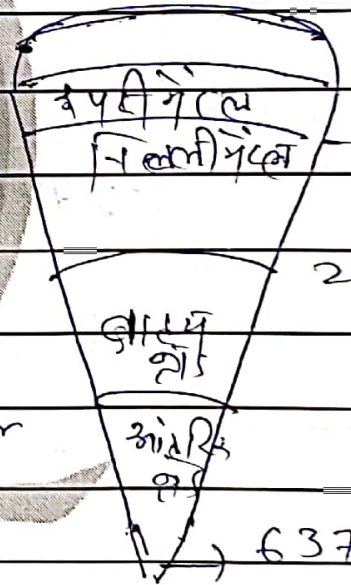
मोटाई 6370 किमी

Naife से निर्माण

निचली मैटल व ऊपरी होड के बीच मुटनवर्गी

अंतर्गता व ऊपरी होड व निचली होड के बीच

वे होंगे अंतर्गता पाई बान



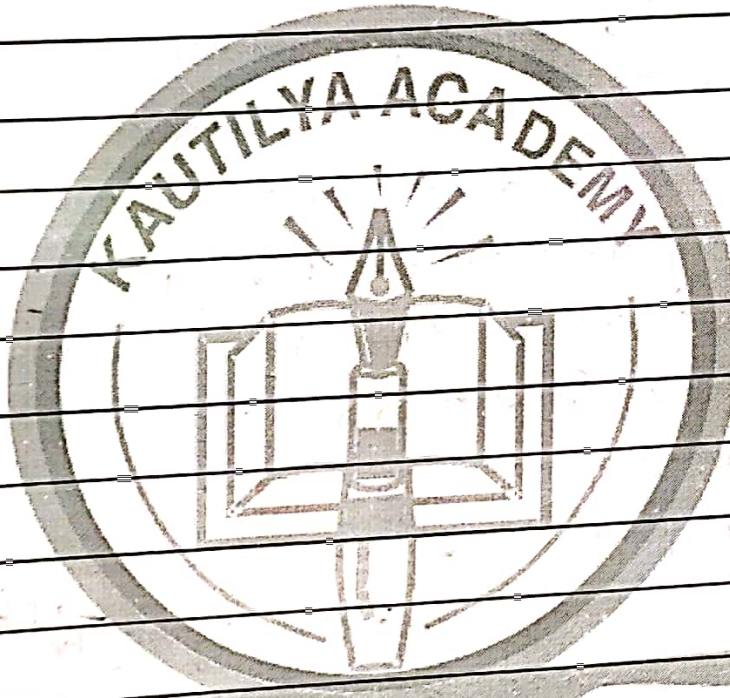
प्रश्न  
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान  
**कौटिल्य एकेडमी**  
सफलता का प्रवेश द्वार

डा. नरहर प्रवृत्ती की आंतरिक लक्ष्यगको व्यवस्त  
बीबिता के आधार पर विश्वाजित।





2	(b)	जल समीर व व्यल समीर
		यह व्यापक व पुन्य जलित पत्रों के प्रकार है जिसमें दोषि परिवर्तन होती है
		<u>जल समीर</u> (दिन के समय)
		दिन के समय व्यल व
		ताप अधिक तथा जल वा
		ताप कम तथा अधिक वातु दाव
		होने के कारण पत्र जल से व्यल की ओर चलती जिसे
		जल समीर
		<u>व्यल समीर</u> $\Rightarrow$ रात के समय
		व्यल व
		ताप कम तथा दाव उच्च व ही
		जल के ताप अधिक व दाव कम अतः पत्र व्यल से जल की ओर चलती जिसे व्यल समीर
		इस तरह दिन व रात में ताप परिवर्तन के कारण व्यल व जल समीर चलती



<input checked="" type="checkbox"/>	क) वायु अपरदन द्वारा निर्मित ल्यवलाहति
<input type="checkbox"/>	उत्कृष्ट व अर्ध-उत्कृष्ट मरुस्थलीय भागों
<input type="checkbox"/>	में पवन ही अपरदन का सबसे प्राथमिक
<input type="checkbox"/>	कारण होती क्योंकि वर्षा कम होती
<input type="checkbox"/>	पवन के अपरदन से निर्मित ग्राहियों
<input type="checkbox"/>	वा निर्माण
<input type="checkbox"/>	निर्मित आकृतियों
<input type="checkbox"/>	क) ग्राहियों
<input type="checkbox"/>	उत्कृष्ट मरुस्थलीय इलाकों में
<input type="checkbox"/>	ग्राहियों
<input type="checkbox"/>	पवन के अपरदन से बनी आकृति
<input type="checkbox"/>	न्यहाओं के निर्माण हेतु संभव होते हैं
<input type="checkbox"/>	ग्राहियों
<input type="checkbox"/>	कड़ी व मुलायम चट्टान पवन की
<input type="checkbox"/>	दिशा में आती जिससे मुलायम चट्टान
<input type="checkbox"/>	का अपरदन बाली नुमा गढ़दे बर जार्त
<input type="checkbox"/>	इलाकों
<input type="checkbox"/>	पवन के अपरदन से चट्टानी भाग
<input type="checkbox"/>	बल-दल का समतल व पत्र-त्र
<input type="checkbox"/>	चट्टान के टुकड़े होते
<input type="checkbox"/>	लाहियों
<input type="checkbox"/>	मरुस्थलीय क्षेत्रों के बाहर पवन
<input type="checkbox"/>	द्वारा उड़कर लाल मट्टी बाल
<input type="checkbox"/>	के क्षेत्रों के निर्माण से लाहियों का निर्माण



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान  
कौटिल्य एकेडमी  
सफलता का प्रवेश द्वार

इस तरह हम पूरा किया हुआ  
निर्गम आकारों का देवत है



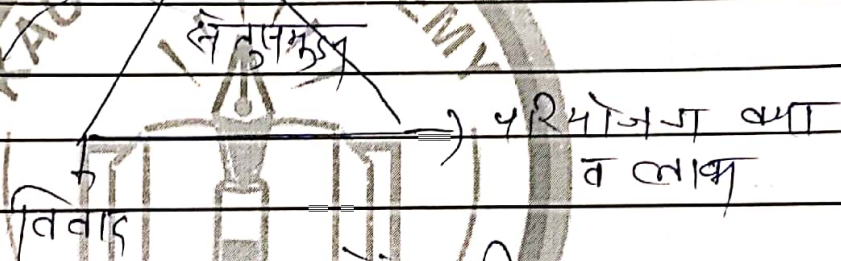


३ (E)

सेतु समुद्र परियोजना

जाएँ सरकार द्वारा अनुसूची 2 की  
लाभ के लिए इस परियोजना की अनुमति

इस परियोजना को निम्न प्रकार से समझ  
सकते हैं -



अनुमति 2002 में बनी

परियोजना का 2) नगलनाडु व श्रीलंका  
को जोड़ता

इसमें रामसेतु को तोड़कर बुंदेलखंड को गहरा  
कराया जा

लाभ 3) व्यापारिक लाभ

4) अंतर्राष्ट्रीय जहाज इसी मार्ग का

अनुसरण

जो अब बड़ी जहाजों को बचा

विवाद 2) कई पर्यावरण विदों व वैज्ञानिकों  
इसका विरोध

फ्लोरा-क फ्यूमा प्रभावित होगा

- मानसून चक्र में परिवर्तन







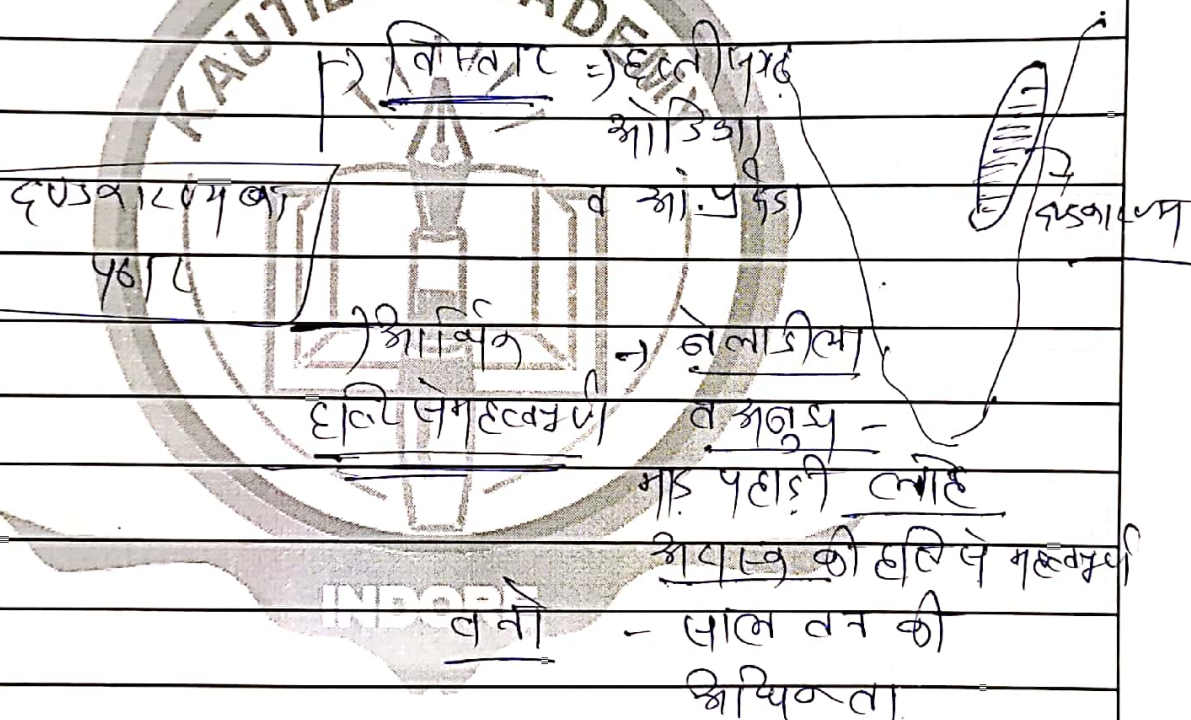
प्रश्न संख्या

2) (H)

दण्डशास्त्र के पठार पर टिप्पणी :

दण्डशास्त्र का पठार उपहीन भारत में उनी तट पर स्थित है

दण्डशास्त्र पठार को इस प्रकार देखा जा सकता है



आर्थिक - कृषि - पाल, पान, तस्मिन् कार्म  
 नैतिक - वाक्पाइड, मेगनीज  
 आपरु आदि

अतः दण्डशास्त्र का पठार आर्थिक रूप से मूलभूत है अतः पठार को इसके मूलतः को पालना कुशल रूप से दोहरा की आवश्यकता ताकि इस क्षेत्र का विकास हो सके।





२(ए)

चरनो बिल (1986) की व्युत्पत्ति

चरनो बिल, यू.के. में अविद्यमान जहाँ  
पर्याप्त संयंत्र में विस्फोट से अधिक मात्रा में  
आ. - व्यय की टांगि हुई

चरनो बिल व्युत्पत्ति का निम्न प्रकार  
से समझते

चरनो बिल  
वर्ष 1986 का मूद्रण  
के व्युत्पत्ति बिल  
कारण उभाव आबिन्दु

वर्ष 1986 का मूद्रण  
के व्युत्पत्ति बिल  
कारण उभाव आबिन्दु

आपत्तियों की लापरवाही से कर्मियों में  
कैसा उत्पादक लाभक्य से अधिक  
कोर खराब काम से विवेक से नहीं रखा  
जा सका जिनसे संयंत्र की क्षति हुई और व  
रेडियोपमी पदार्थ वायुमंडल में फैल

प्रश्ना

उत्तर => लाघो लोगों की मूल्य  
- फेसल, अंपाता जैसी कीमती चीजों  
केली

- वनस्पति व जीवजंतुओं की वृद्धि





<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	श(उ) चक्रवात की गति से अन्ये के लिए आय बचावपै ?
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सागरी में निम्न वायुदावों के वे-ड से चक्रवात की उत्पत्ति जो मानसों के तले पर विनाशकारी उभाव डालती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	चक्रवात की गति से अन्ये के लिए
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	निम्न आयु
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा मूर्त तैयारी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परवापके उपाय
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा दौरा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा पडन्या तैयारी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा मूर्त तैयारी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कुत्तानी पुन्यग उणाकरी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा मूर्त क्षेत्रों का मानचित्रण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	एम्पागीय स्तर पर उडिबध
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पुशारित समुदाय का पता
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पूर्व आपदा की तीव्रता
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा के दौरा उ अन्ये के एपजीओ, समुदाय की पहचान
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आपदा मूर्त तैयारी की व्यवस्था
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कुत्तानी उगाह पर ले जाग



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)

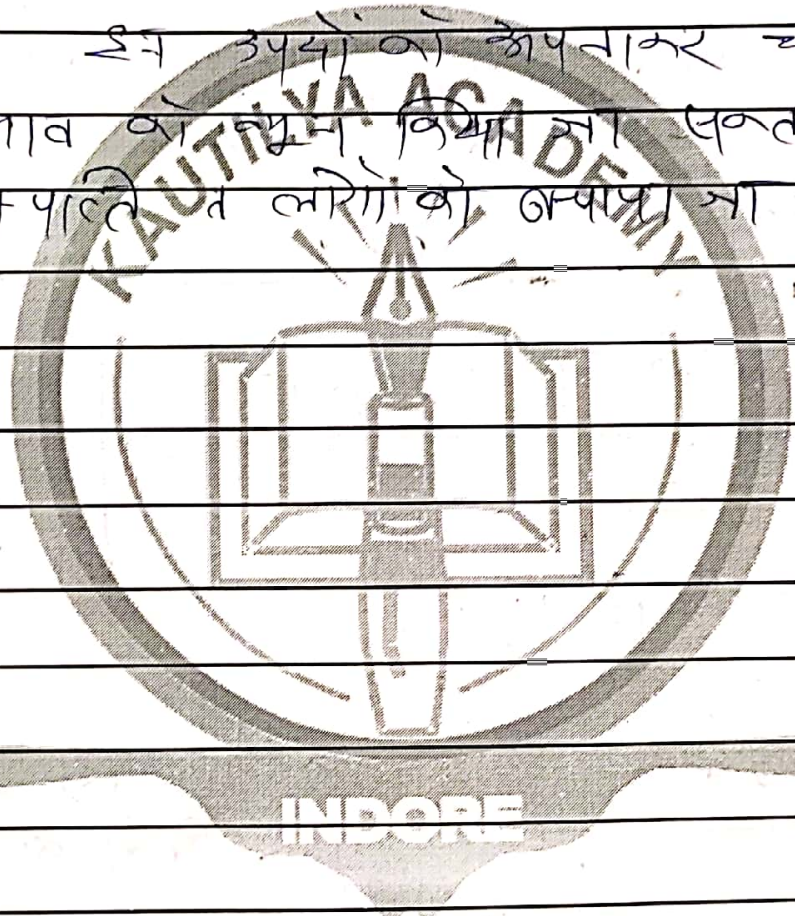
प्रश्न संख्या

शापदा के प्रत्यात ३) पुनर्स्थापना व सुवर्धन की प्रविष्टि।

शापदा के अन्तर्गत ३) एन डी एम ए का गठन - शासन के अन्तर्गत की व्यवस्था

इन उपरोक्त को अपनाने से चक्रवर्ती के पुत्राव को प्रोत्साहित किया जा सकता है तथा

संघ परिवार को प्रोत्साहित किया जा सकता है





<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कुशल सिंचाई प्रणाली विधियों का वर्गीकरण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भारतीय कृषि वर्षा पर निर्भर है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	वर्षा की अनियमितता तथा जलों की कमी के
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कारणों के कारण कुशल सिंचाई प्रणाली अपनाने की
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आवश्यकता
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कुशल सिंचाई प्रणाली की विधियाँ
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पर बजर डाल तो निम्नलिखित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ ड्रिप सिंचाई
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अन्य → → रीनगेज सिंचाई
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	→ → फेडव्हाउर सिंचाई
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	ड्रिप सिंचाई ⇒ खेतों में लंबी-र पाइपलाइन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	निहाकर पौधों को लूट-रजल
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	रीनगेज सिंचाई ⇒ लंबी ड्रिप तब जल
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	की बोझा कर
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	फेडव्हाउर सिंचाई ⇒ पाइपलाइन निहाकर
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	करवाये से सिंचाई
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	फेडव्हाउर ⇒ इसके माध्यम से पौधों
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	तक जल न उतरकर
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अन्य - प्लान में श्री विधि आदि



प्रश्न  
संख्या

इस तरह सिंचाई की नवीन तकनीकों

को अपनाकर जल व कालो के उत्पादन में  
वृद्धि कर सकते हैं।






<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>									
<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	म.प्र. में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की संभावना								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	म.प्र. में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक उभरता हुआ उद्योग है जो उदेश्य को आर्थिक गति प्रदान करेगा।								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	म.प्र. में खाद्य प्रसंस्करण की संभावना पर चर्चा करते हुए संक्षेप में लिखें -								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	संभावना								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<table border="0"> <tr> <td>कृषि उत्पादन</td> <td>नादियों की</td> <td>इयारी</td> <td>अल्प</td> </tr> <tr> <td>दूध</td> <td>आधिक्यता</td> <td>उत्पाद</td> <td></td> </tr> </table>	कृषि उत्पादन	नादियों की	इयारी	अल्प	दूध	आधिक्यता	उत्पाद	
कृषि उत्पादन	नादियों की	इयारी	अल्प							
दूध	आधिक्यता	उत्पाद								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कृषि उत्पादन ⇒ कृषि कर्मचारी अकादमी पाँचवार								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- लॉयलींग के उत्पादन में प्रथम								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गोदू, पल्लह आदि का उत्पादन होगा								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	नादियों की ⇒ गलिय का उत्पादन								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आधिक्यता आधिक्य मात्रा								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इयारी उद्योग ⇒ दुग्ध उत्पादन में तीसरी								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	स्थान पर देश में								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अल्प ⇒ 6 मीगा कुड पार्क स्थापित								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	विद्ये जाते की योजना								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अवंती मेगा कुड पार्क का उत्पादन								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	ग्राम की आलन उपलब्धता								
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कृषि निजीकरण आर्थिक क्षेत्र								

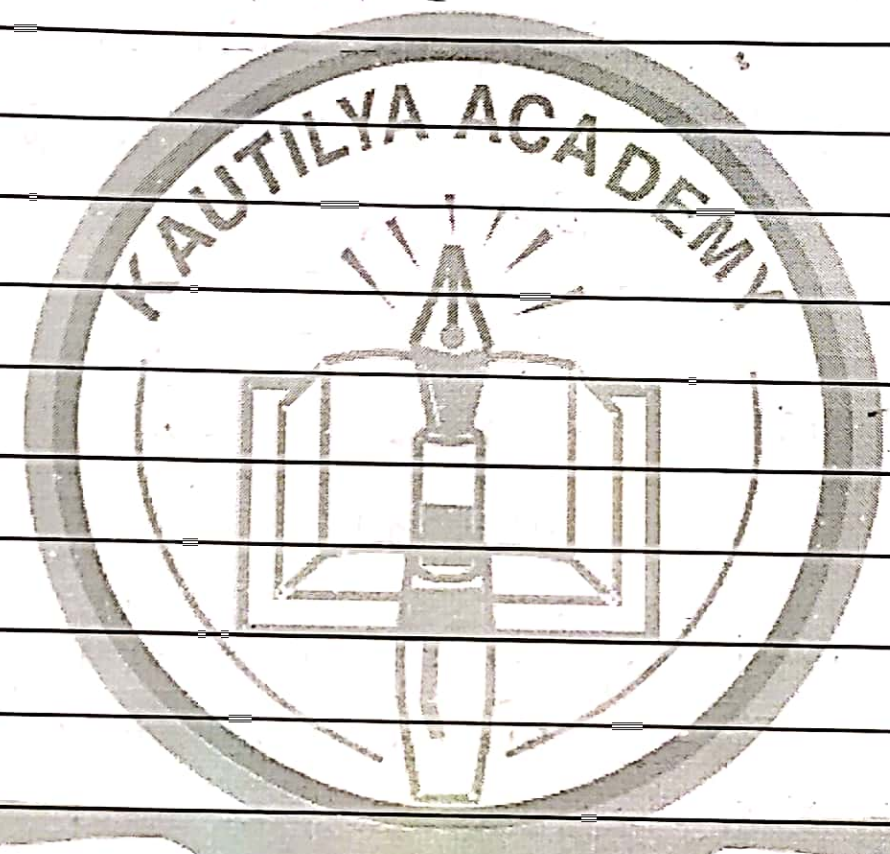


भारत का नं. 1 संस्थान  
**कौटिल्य एकेडमी**  
 सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न  
 संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
 (Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सरकार की आत्म नीति का
		अभिप्रेक्षित संव्यय का विचार
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपरोक्त को देखते हुए यहाँ आद्य
		उपसंख्य की अपाट संभावना है किंतु इसके लिए
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सरकार को अल्प प्रयास व निवेदन को प्रोत्साहित करने
		की आवश्यकता है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	





प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)



3 (a)

समुद्री लवणता से क्या आशय है समुद्री लवणता को जमाकित करने वाले वाक ?

समुद्र में लवणों की गलित ज्वालामुखी, समुद्री जीवा, नदियों से प्राप्त होती जा सोडियम क्लोराइड, मैग्नेशियम क्लोराइड, मैग्नेशियम सल्फेट आदि लवणों में उपलब्ध होते हैं किन्तु समुद्र में इन लवणों की उपलब्धता जमीन जगह समान नहीं होती है अर्थात् इंधाचर व चैतिय रूप से इनके वितरण में विभिन्नता देखने को मिलती है।

समुद्री लवणता से तात्पर्य समुद्र में घुले हुए लवणों की मात्रा तथा समुद्री जल के भार के अनुपात को कहते हैं इसे प्रति हजार (‰) में व्यक्त किया जाता है

$$\text{समुद्री लवणता} = \frac{\text{सहालगरीय जल में घुले हुए लवणों की मात्रा}}{\text{सागरीय जल का भार}} \times 100$$

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)

सागरीय लवणता को उच्चानित करने वाले  
वाहनों को निम्न प्रकार से देखा जा  
सकता है

उच्चानित करने वाले वाहक

तापमान वाष्पीकरण अधिक वर्षा पर्वत क्षेत्र

तापमान 2) तापमान का लवणता से सीधा

संबंध तापमान अधिक तो लवणता  
अधिक, तापमान कम तो लवणता कम होती है किंतु  
यह महत्वपूर्ण वाक्य नहीं

वाष्पीकरण 3) वाष्पीकरण के साथ लवणता  
का सीधा संबंध होता

उपोष्ण कटिबंध क्षेत्र में सर्वाधिक लवणता  
क्योंकि वाष्पीकरण अधिक के साथ वर्षा भी कम  
मात्रा में होती है।

नदियाँ 4) जहाँ नदियाँ अधिक मात्रा में  
समुद्र में गिरती वहाँ लवणता

में कमो पाई जाती  
गंगा-जमुना डेल्टा में लवणता कम





मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

	वर्षा का जल $\Rightarrow$ हिम श्रैण्डों में वर्षा अधिक लंबा लवणता कम
	निम्न श्रैण्डों में वायुमय अधिक होंगे रेखावृष्टि वर्षा की मात्रा अधिक होंगे खलवणता कम
	पर्वत $\Rightarrow$ शीतल पर्वत समुद्र के पूर्वी भाग में लवणता कम व अतुल पर्वत पश्चिमी भाग (समुद्र) लवणता को बढ़ाती
	अ-प - हिमालय की लवणता को कम
	उपरोक्त सभी बातों मिलजुलकर समुद्री लवणता को प्रभावित करते तथा निम्न श्रैण्डों से उच्च श्रैण्डों तक जाते हुए इस लवणता के विवरण को अलग दिखाई देती हैं वहाँ वे इकोसिस्टम को प्रभावित करती हैं।

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	3(b) गंगा उत्तर भारत की जीवन रेखा है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गंगा नदी तंत्र वावर्षीक ऋतु एवं जल के संदर्भ में इसका महत्व बताएँ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गंगा नदी भारत की सबसे बड़ी नदी है जिसका उद्गम उत्तराखण्ड के गंगोत्री से हुआ है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अल्प देर का बिल्व से इसका नाम गंगा पड़ा जो उत्तराखण्ड से प्रवाहित होकर
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उ.प्र. बिहार, पं. बंगाल से होकर हुआ बंगाल की खाड़ी से मिलती है जहाँ यह
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	समुद्र तल से निर्माण होती जो विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा है मगध के लिए जाना जाता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	चूँकि गंगा उत्तर भारत से प्रवाहित होती जो एक क्षेत्र के लोगों की आर्थिक
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सामाजिक, सांस्कृतिक जरूरतों को पूरा करती है अतः यह जीवन रेखा के रूप में जानी जाती है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गंगा नदी तंत्र का दूरतः तंत्र इस नदी की निम्न पहापक
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	बाएँ और दाहिने पहापक ⇒ गंगोत्री, धौलागिरी, व्यास, गंडक, कोशी नदी

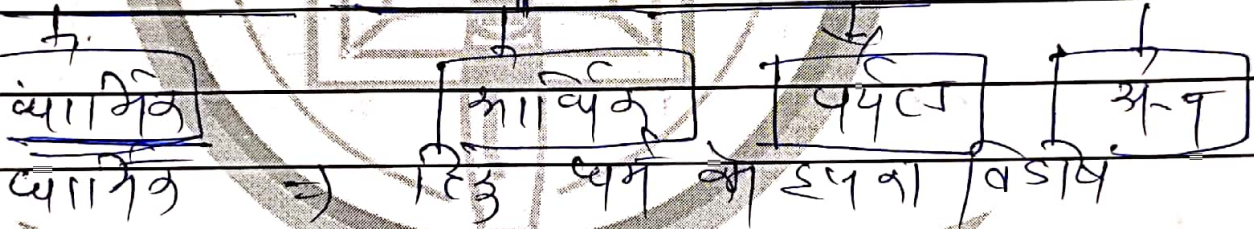


बूड़ी गंडक, महानंदा

दापीओर की ⇒ यमुना,  
सहायक नदी लोन कादा

अतः गंगा नदी  
एक बड़े जलसंचय क्षेत्र को  
समाहित करती है।

गंगा वैमर्हत् पर प्रकाश डालें  
तो निम्न मर्हत् नजर आता



मौसमी दूरी प्रदान किया जाता।  
अंतिम लेखक के समय अल्पवय गंगा में  
विलजित

गंगा दशाहरा, कुंभ आदि का आयोजन

आर्थिक महत्त्व ⇒ इसके तटीय क्षेत्रों में  
कृषि वा उत्पादक क्रियक

मात्रा:

गोखु, (उत्तर प्रदेश), व्यातल (पेंबंगाल) आदि  
फलदा

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
 (Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- मलिन्य उपयोग का विकास
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- बांधों के निर्माण जैसे रिहरी, जागाड़ा, गगलकल्प आदि से विकृत, सिन्हाई, पेपजल
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- एम गल्लीय व्यापार
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- लक्ष्मण आतदी, सप्तम तम इसके आल-पासलपु उपयोग
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	शिक्यु महत्व
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पर्यटन के क्षेत्र में इलाहाबाद का पणजी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परिहार आदि धत्री पर्यटन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	जल के रूप में विकसित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अन्य में जल आपूर्ति के रूप
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- गंगा नदी का अर्थ जीव व जनन्यति की उपलब्धता
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- कुंदर वगैरे आदि
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस तरह भारत में गंगा नदी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि अफुनिकाल में औद्योगिकीकरण, जलपूरण से इनका प्रदूषित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	विना आ रहा है अतः सरकार द्वारा कमी गंगा मिशन का प्रस्ताव जो इनका प्रदूषित सुवर्त करेगा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इसके साथ ही लोगों को जागरूक हो जाने की आवश्यकता ताकि गंगा को अतिलय के लिए सुरक्षित
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	रखा जा सके।







हृदयनदी ⇒ इसके संगमर्त अंतर्गत भूमि

की अधिकतम सीमा विपरीत

- अतिरिक्त भूमि का पुनर्वितरण सीमांत व कमिटीन विधाने

मकनदी ⇒ इसके आप्यत पर जोतों के कोटी

आकारों को रोकिया गया

- कोटी-सजातों को गिलाकर बड़े जोतों का विस्तार  
सहकारी कृषि का प्रथानता

कृषि आयोग ⇒ विनोद आठे के नेतृत्व में

अन्वयानुसंधाने एवं चर्चा के अर्थ में

बड़े किसानों एवं भूमि का वितरण का

वर्तमान में प्रसार ⇒ भूमि के रिजर्वों को

कम्प्यूटीरीकरण किया जा

रहा

बंजर भूमि को कृषि योग्य भूमि में

बदला जा रहा

किसानों को प्रशिक्षित व नई तकनीकों से

अवगत

कुल कृषि को प्रोत्साहित

भूमि अधिग्रह अधिनियम के माध्यम से कृषि

योग्य भूमि का अधिग्रहण नहीं



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका  
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान  
कौटिल्य एकेडमी  
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न  
संख्या

इस तरह से काल में कमि सुधार दिए  
गये किंतु वर्तमान में सीमांत व कमिहीन  
किसानों की खेती अधिक तथा इन किसानों में  
जबकी समस्या भी पैदा हुई तथा यह सुधार  
सभी जगह लागू नहीं किये गये अतः सुधार को  
कमि सुधार को अकेले अधिक उत्पाद की जरूरत  
ताकि किसानों को आत्मसुखी बन सके, पलायन,  
झारि को अकेले जा सकेत पेढिया बाध्य सहाय विकास  
जैकी सार्वजनिक उपकरणों जा सके।

